

Cashless Treatment Under MAA Yojana, Rajasthan



The Rajasthan Government's Mukhyamantri Ayushman Arogya (MAA) Yojana is an important healthcare initiative. It aims to deliver affordable and good-quality healthcare services to eligible families by providing cashless treatment in an empanelled government or private hospital.

Rajasthan launched interstate portability (Outbound Portability) under the scheme recently, which allows eligible beneficiaries to avail cashless treatment at the empanelled hospitals in other States.

Major Recent Update: Interstate Cashless Treatment

- On 19 December 2025, MAA Yojana was launched by Chief Minister Bhajan Lal Sharma with outbound portability.
- Rajasthan introduced interstate portability under the MAA Yojana, allowing eligible beneficiaries to access cashless treatment outside the state at participating hospitals.
- The cashless treatment has now been extended to the eligible beneficiaries outside the state of Rajasthan.
- The expanded interstate network includes approximately 30,000 empanelled hospitals outside Rajasthan, including around 16,000 government and 14,000 private hospitals.

- The initial interstate network of hospitals did not include Tamil Nadu and Karnataka.

Key Highlights

Particulars	Details
Scheme	MAA Yojana
State	Rajasthan
Launch of original scheme	1 May 2021
Outbound Portability	19 December 2025
Maximum Coverage	₹25 lakh per family annually
Hospital Network	Approx. 30,000
Government Hospitals	Approx. 16,000
Private Hospitals	Approx. 14,000
Beneficiary Database	Jan Aadhaar

Major Features and Benefits

1. **Cashless Treatment:** Families may be treated without paying out of pocket for covered medical care if they are eligible.
2. **Financial Security:** Up to ₹25 lakh per family per year is covered under the scheme.

3. **Specialised Healthcare:** It includes treatments for cancer, heart diseases, kidney disorders and other serious medical conditions.
4. **Interstate Portability:** Beneficiaries can avail treatment in hospitals that are participating from outside Rajasthan.
5. **Wide Coverage:** There are around 2200 treatment packages in the scheme.

Conclusion

Interstate portability facility saves patients from the financial burden on travelling to other states for special treatment which need to be provided. It enhances the accessibility of health care, reinforces financial protection, and contributes towards the UHC goal.

MCQs

Q1. MAA Yojana is associated with which state?

- A) Gujarat
- B) Rajasthan
- C) Haryana
- D) Punjab

Answer: B) Rajasthan

Q2. When was outbound portability launched under MAA Yojana?

- A) 1 December 2025
- B) 19 December 2025
- C) 1 January 2026
- D) 26 January 2026

Answer: B) 19 December 2025

Q3. What is the maximum annual health coverage under the scheme?

- A) ₹5 lakh
- B) ₹10 lakh
- C) ₹20 lakh
- D) ₹25 lakh

Answer: D) ₹25 lakh

Q4. Which database is used for beneficiary identification?

- A) PAN
- B) Jan Aadhaar

- C) Voter ID
D) Passport

Answer: B) Jan Aadhaar

Q5. Approximately how many hospitals are included in the expanded interstate network?

- A) 10,000
B) 20,000
C) 30,000
D) 40,000

Answer: C) 30,000

राजस्थान की मा (MAA) योजना के तहत कैशलेस उपचार की सुविधा

राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना राज्य की एक प्रमुख स्वास्थ्य कल्याणकारी योजना है। इसका उद्देश्य पात्र परिवारों को सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान करना है।

हाल ही में इस योजना के अंतर्गत अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी (Interstate Portability) की सुविधा शुरू की गई है। इसके माध्यम से राजस्थान के पात्र लाभार्थी राज्य के बाहर स्थित सूचीबद्ध अस्पतालों में भी कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

प्रमुख नवीनतम अपडेट: अंतरराज्यीय कैशलेस उपचार

- 19 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मा योजना के अंतर्गत आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी सुविधा का शुभारंभ किया।
- राजस्थान ने मा (MAA) योजना के अंतर्गत अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी सुविधा शुरू की है, जिसके तहत पात्र लाभार्थी अन्य राज्यों के सूचीबद्ध अस्पतालों में भी कैशलेस उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।
- अब राजस्थान के पात्र लाभार्थी राज्य के बाहर भी कैशलेस उपचार का लाभ उठा सकते हैं।
- विस्तारित अंतरराज्यीय अस्पताल नेटवर्क में राजस्थान के बाहर स्थित लगभग 30,000 सूचीबद्ध अस्पताल शामिल हैं, जिनमें लगभग 16,000 सरकारी और 14,000 निजी अस्पताल शामिल हैं।
- प्रारंभिक अंतरराज्यीय अस्पताल नेटवर्क में तमिलनाडु और कर्नाटक शामिल नहीं हैं।

प्रमुख तथ्य एवं विशेषताएँ

विवरण	जानकारी
-------	---------

योजना का नाम	मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना
संबंधित राज्य	राजस्थान
मूल योजना का शुभारंभ	1 मई 2021
अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी	19 दिसंबर 2025
अधिकतम स्वास्थ्य बीमा कवरेज	₹25 लाख प्रति परिवार प्रतिवर्ष
बाहरी राज्यों के अस्पताल	लगभग 30,000
सरकारी अस्पताल	लगभग 16,000
निजी अस्पताल	लगभग 14,000
लाभार्थी पहचान	जन आधार

योजना की प्रमुख विशेषताएँ एवं लाभ

- कैशलेस उपचार: पात्र परिवार सूचीबद्ध अस्पतालों में योजना के अंतर्गत आने वाले उपचार बिना सीधे भुगतान के प्राप्त कर सकते हैं।
- आर्थिक सुरक्षा: प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिवर्ष ₹25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज उपलब्ध है।
- विशेष चिकित्सा सुविधाएँ: कैंसर, हृदय रोग, गुर्दे की बीमारियों और अंग प्रत्यारोपण जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार की सुविधा शामिल है।
- अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी: राजस्थान के पात्र निवासी दूसरे राज्यों के सूचीबद्ध अस्पतालों में भी उपचार प्राप्त कर सकते हैं।
- व्यापक उपचार कवरेज: योजना के अंतर्गत लगभग 2,200 चिकित्सा उपचार पैकेज शामिल हैं।

निष्कर्ष

मा योजना के अंतर्गत शुरू की गई अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी सुविधा राजस्थान के पात्र नागरिकों को राज्य के बाहर भी कैंशलेस उपचार उपलब्ध कराती है। इससे गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले मरीजों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच बढ़ेगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना किस राज्य से संबंधित है?

- (A) गुजरात
- (B) राजस्थान
- (C) हरियाणा
- (D) पंजाब

उत्तर: (B) राजस्थान

प्रश्न 2. मा योजना के अंतर्गत आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी सुविधा कब शुरू की गई?

- (A) 1 दिसंबर 2025
- (B) 19 दिसंबर 2025
- (C) 1 जनवरी 2026
- (D) 26 जनवरी 2026

उत्तर: (B) 19 दिसंबर 2025

प्रश्न 3. इस योजना के अंतर्गत अधिकतम वार्षिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज कितना है?

- (A) ₹5 लाख
- (B) ₹10 लाख
- (C) ₹20 लाख
- (D) ₹25 लाख

उत्तर: (D) ₹25 लाख

प्रश्न 4. मा योजना के लाभार्थियों की पहचान के लिए किस डेटाबेस का उपयोग किया जाता है?

- (A) पैन कार्ड
- (B) जन आधार
- (C) मतदाता पहचान पत्र
- (D) पासपोर्ट

उत्तर: (B) जन आधार

प्रश्न 5. अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी के विस्तारित अस्पताल नेटवर्क में लगभग कितने अस्पताल शामिल हैं?

- (A) 10,000
- (B) 20,000

(C) 30,000

(D) 40,000

उत्तर: (C) 30,000

Rajasthan's First Tertiary Treatment Plant – Pushkar



Rajasthan is taking an important step towards sustainable water management with its first tertiary wastewater treatment plant project in Pushkar, Ajmer. Under this initiative, treated sewage water from the Pushkar Sewage Treatment Plant (STP) will undergo advanced purification to improve its quality for reuse in agricultural and industrial activities. The project aims to reduce dependence on freshwater resources, promote wastewater recycling and support long-term water conservation in the state.

Key Highlights

Particulars	Details
Location	Pushkar, Ajmer, Rajasthan
Selected Plant	Pushkar STP
Existing STP Capacity	3.5 MLD
Project Cost	₹50 crore
Reservoir Capacity	4 MCFT

Land Area	37.50 hectares
Main Purpose	Agricultural and industrial water reuse

How Will It Work?

The project will provide an additional stage of purification to sewage water after conventional treatment. This advanced process will improve water quality and make it suitable for designated non-drinking uses.

Why Is It Important?

- Water Conservation: Reduces dependence on freshwater.
- Agriculture: Provides an alternative water source for irrigation.
- Pollution Control: Helps reduce wastewater discharge into the environment.
- Future Expansion: Can serve as a model for similar projects in other districts.

Conclusion

Rajasthan's first tertiary treatment plant pilot project in Pushkar represents an important step towards sustainable water management. By converting wastewater into a reusable resource, the initiative can support agriculture, industrial activities and environmental protection. If successful, this model could be replicated in other parts of Rajasthan, helping the state address water scarcity and promote efficient use of available water resources.

MCQs

Q1. Where is Rajasthan's first tertiary treatment plant pilot project being developed?

- A. Jaipur
- B. Pushkar
- C. Jodhpur
- D. Kota

Answer: B. Pushkar

Q2. What is the capacity of Pushkar STP?

- A. 2.5 MLD
- B. 3.5 MLD
- C. 5 MLD
- D. 7 MLD

Answer: B. 3.5 MLD

Q3. What is the estimated cost of the project?

- A. ₹25 crore
- B. ₹40 crore
- C. ₹50 crore
- D. ₹75 crore

Answer: C. ₹50 crore

Q4. What is the primary objective of tertiary wastewater treatment?

- A. Electricity generation
- B. Advanced purification and water reuse
- C. Rainwater harvesting
- D. Groundwater extraction

Answer: B. Advanced purification and water reuse

राजस्थान का पहला टर्शियरी ट्रीटमेंट प्लांट – पुष्कर

राजस्थान सतत जल प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसके तहत अजमेर के पुष्कर में राज्य की पहली टर्शियरी वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना विकसित की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत पुष्कर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) से प्राप्त शोधित सीवेज जल को उन्नत शुद्धिकरण प्रक्रिया से गुजारा जाएगा, ताकि इसकी गुणवत्ता में सुधार कर इसे कृषि और औद्योगिक गतिविधियों में पुनः उपयोग किया जा सके। इस परियोजना का उद्देश्य मीठे पानी के संसाधनों पर निर्भरता कम करना, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना और राज्य में दीर्घकालिक जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना है।

प्रमुख विशेषताएँ

विवरण	जानकारी
स्थान	पुष्कर, अजमेर, राजस्थान
चयनित प्लांट	पुष्कर STP
मौजूदा STP क्षमता	3.5 MLD
परियोजना की लागत	₹50 करोड़
जलाशय की क्षमता	4 MCFT
भूमि क्षेत्रफल	37.50 हेक्टेयर
मुख्य उद्देश्य	कृषि एवं औद्योगिक कार्यों के लिए जल का पुनः उपयोग

यह कैसे काम करेगा?

इस परियोजना में पारंपरिक शोधन प्रक्रिया के बाद सीवेज जल को शुद्ध करने के लिए एक अतिरिक्त चरण जोड़ा जाएगा। इस उन्नत प्रक्रिया से पानी की गुणवत्ता में सुधार होगा और इसे निर्धारित गैर-पेयजल उपयोगों के लिए उपयुक्त बनाया जा सकेगा।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- जल संरक्षण: मीठे पानी के संसाधनों पर निर्भरता कम होगी।
- कृषि: सिंचाई के लिए पानी का एक वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध होगा।
- प्रदूषण नियंत्रण: पर्यावरण में अपशिष्ट जल के सीधे प्रवाह को कम करने में मदद मिलेगी।
- भविष्य में विस्तार: यह परियोजना अन्य जिलों में भी इसी तरह की परियोजनाओं के लिए एक मॉडल बन सकती है।

निष्कर्ष

पुष्कर में राजस्थान की पहली टर्शियरी ट्रीटमेंट प्लांट पायलट परियोजना सतत जल प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग योग्य संसाधन में बदलकर यह परियोजना कृषि, औद्योगिक गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे सकती है। यदि यह मॉडल सफल रहता है, तो इसे राजस्थान के अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जा सकता है। इससे राज्य में जल संकट की चुनौती से निपटने और उपलब्ध जल संसाधनों के कुशल उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा।

अभ्यास हेतु बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. राजस्थान की पहली टर्शियरी ट्रीटमेंट प्लांट पायलट परियोजना कहाँ विकसित की जा रही है?

- A. जयपुर
- B. पुष्कर
- C. जोधपुर
- D. कोटा

उत्तर: B. पुष्कर

प्रश्न 2. पुष्कर STP की क्षमता कितनी है?

- A. 2.5 MLD
- B. 3.5 MLD
- C. 5 MLD
- D. 7 MLD

उत्तर: B. 3.5 MLD

प्रश्न 3. इस परियोजना की अनुमानित लागत कितनी है?

- A. ₹25 करोड़
- B. ₹40 करोड़

- C. ₹50 करोड़
- D. ₹75 करोड़

उत्तर: **C. ₹50** करोड़

प्रश्न 4. टर्शियरी वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

- A. बिजली उत्पादन
- B. उन्नत शुद्धिकरण एवं जल का पुनः उपयोग
- C. वर्षा जल संचयन
- D. भूजल निष्कर्षण

उत्तर: **B.** उन्नत शुद्धिकरण एवं जल का पुनः उपयोग

RASonly